



Namrata shah

04 Jan 2000

11:48 PM

Mumbai

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121588301

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 04/01/2000
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 23:48:00 घंटे
इष्ट _____: 41:27:58 घटी
स्थान _____: Mumbai
राज्य _____: Maharashtra
देश _____: India

अक्षांश _____: 18:58:00 उत्तर
रेखांश _____: 72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 23:09:20 घंटे
वेलान्तर _____: -00:04:36 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:04:02 घंटे
सूर्योदय _____: 07:12:48 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:13:57 घंटे
दिनमान _____: 11:01:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 19:50:31 धनु
लग्न के अंश _____: 07:06:04 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: ज्येष्ठा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: वृद्धि
करण _____: विष्टि
गण _____: राक्षस
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road,Ahmedabad,Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1921	पौष	14
पंजाबी	संवत : 2056	पौष	20
बंगाली	सन् : 1406	पौष	19
तमिल	संवत : 2056	मार्गड़ी	20
केरल	कोल्लम : 1175	धनु	20
नेपाली	संवत : 2056	पौष	20
चैत्रादि	संवत : 2056	पौष	कृष्ण 13
कार्तिकादि	संवत : 2056	मार्गशीर्ष	कृष्ण 13

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 13
तिथि समाप्ति काल _____ : 18:31:09
जन्म तिथि _____ : 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : ज्येष्ठा
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 27:25:12 घंटे
जन्म योग _____ : ज्येष्ठा
सूर्योदय कालीन योग _____ : गण्ड
योग समाप्ति काल _____ : 14:57:48 घंटे
जन्म योग _____ : वृद्धि
सूर्योदय कालीन करण _____ : वणिज
करण समाप्ति काल _____ : 18:31:09 घंटे
जन्म करण _____ : विष्टि
भयात _____ : 58:38:28
भभोग _____ : 67:41:30
भोग्य दशा काल _____ : बुध 2 वर्ष 3 मा 8 दि

घात चक्र

मास _____ : आश्विन
तिथि _____ : 1-6-11
दिन _____ : शुक्रवार
नक्षत्र _____ : रेवती
योग _____ : व्यतिपात
करण _____ : गर
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : सिंह
लग्न _____ : वृश्चिक
सूर्य _____ : मकर
चन्द्र _____ : धनु
मंगल _____ : कुम्भ
बुध _____ : वृश्चिक
गुरु _____ : मीन
शुक्र _____ : मेष
शनि _____ : कर्क
राहु _____ : वृष

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

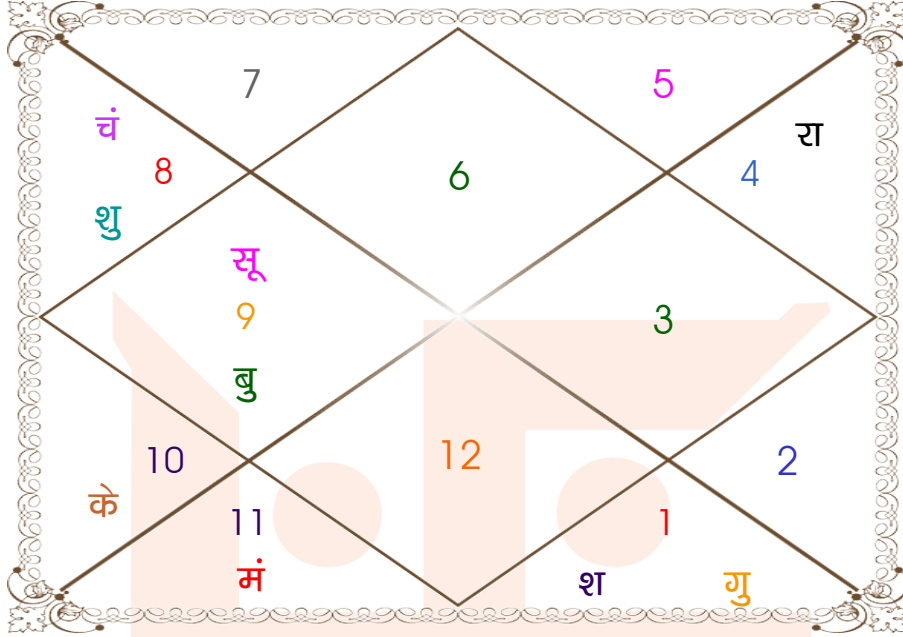
Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

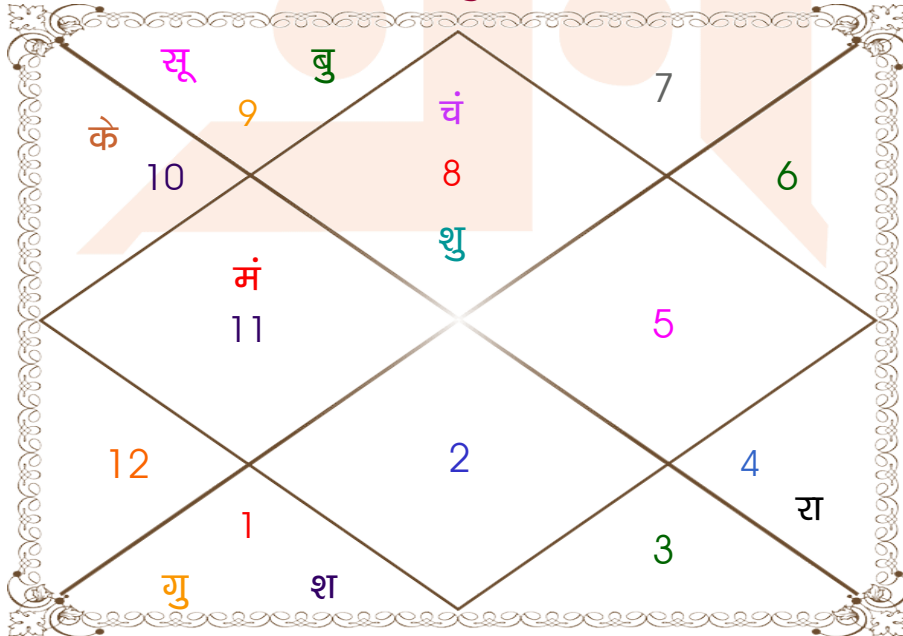
monaliesoni55@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

	श गु		
मं			रा
के			
बु सू	शु चं		ल

लग्न कुंडली

	श गु		
			मं
रा			के
			सू बु
ल		चं शु	

विंशोत्तरी
बुध 2वर्ष 3मा 8दि
बुध

04/01/2000

14/04/2105

बुध	14/04/2002
केतु	13/04/2009
शुक्र	13/04/2029
सूर्य	14/04/2035
चन्द्र	13/04/2045
मंगल	13/04/2052
राहु	14/04/2070
गुरु	14/04/2086
शनि	14/04/2105

योगिनी
भद्रिका 0वर्ष 8मा 0दि
धान्या

05/09/2024

05/09/2027

धान्या	05/12/2024
भ्रामरी	06/04/2025
भद्रिका	05/09/2025
उल्का	07/03/2026
सिद्धा	06/10/2026
संकटा	06/06/2027
मंगला	07/07/2027
पिंगला	05/09/2027

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

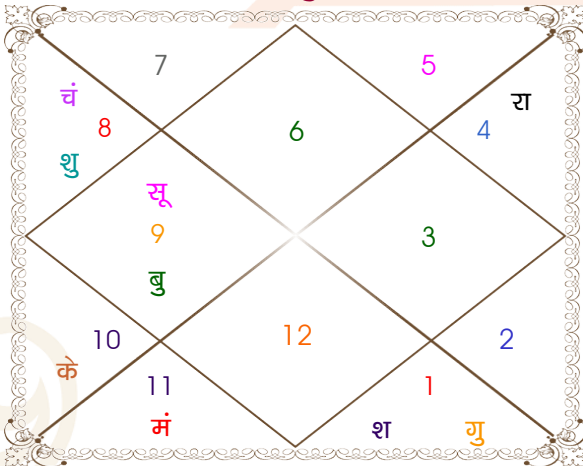
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कन्या	07:06:04	---	--	--	--	नेक
सूर्य	धनु	19:50:31	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	वृश्चिक	28:13:03	नीच राशि	--	--	--	नेक
मंगल	कुम्भ	06:38:26	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	धनु	13:08:32	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	मेष	01:33:02	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	वृश्चिक	11:39:46	सम राशि	--	--	--	नेक
शनि	व मेष	16:29:13	नीच राशि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	व कर्क	09:53:52	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व मकर	09:53:52	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक

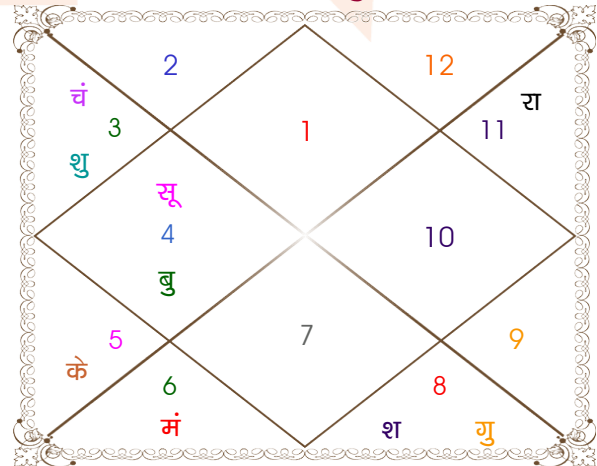
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

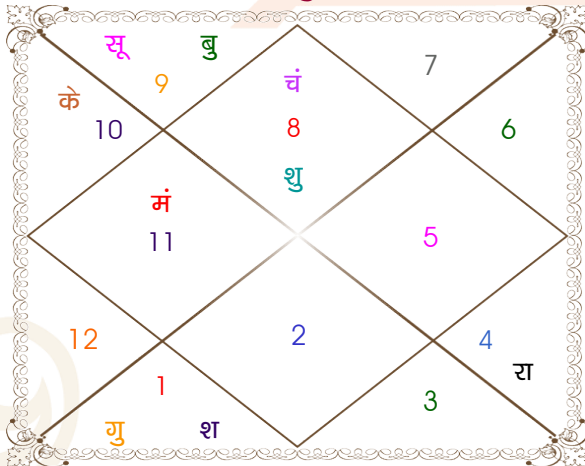
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

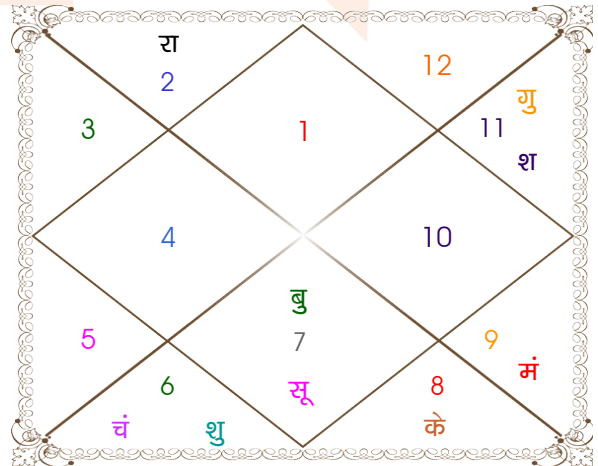
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	दूसरों के लिए जोड़-जोड़ कर मरे	--
चंद्र	चोर तथा मौत का रक्षक।	--
मंगल	तरसैवे की औलाद।	राशि
बुध	राजयोग या हुनरमंद	--
गुरु	परमात्मा की मदद का मालिक।	--
शुक्र	सती या सत्यवान औरत	--
शनि	हैड क्वार्टर।	--
राहु	पिता को गोली मारे या मुंह न देखे।	--
केतु	अपनी रोटी के टुकड़े के लिए गुरु का निगरान।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 04/01/2000 04/01/2006	राहु 6 वर्ष 04/01/2006 04/01/2012	केतु 3 वर्ष 04/01/2012 04/01/2015	गुरु 6 वर्ष 04/01/2015 04/01/2021	सूर्य 2 वर्ष 04/01/2021 04/01/2023
राहु 04/01/2002 बुध 04/01/2004 शनि 04/01/2006	मंगल 04/01/2008 केतु 04/01/2010 राहु 04/01/2012	शनि 04/01/2013 राहु 04/01/2014 केतु 04/01/2015	केतु 04/01/2017 गुरु 04/01/2019 सूर्य 04/01/2021	सूर्य 04/09/2021 चंद्र 06/05/2022 मंगल 04/01/2023
चंद्र 1 वर्ष 04/01/2023 04/01/2024	शुक्र 3 वर्ष 04/01/2024 04/01/2027	मंगल 6 वर्ष 04/01/2027 04/01/2033	बुध 2 वर्ष 04/01/2033 04/01/2035	शनि 6 वर्ष 04/01/2035 04/01/2041
गुरु 06/05/2023 सूर्य 05/09/2023 चंद्र 04/01/2024	मंगल 04/01/2025 शुक्र 04/01/2026 बुध 04/01/2027	मंगल 04/01/2029 शनि 04/01/2031 शुक्र 04/01/2033	चंद्र 04/09/2033 मंगल 06/05/2034 गुरु 04/01/2035	राहु 04/01/2037 बुध 04/01/2039 शनि 04/01/2041
राहु 6 वर्ष 04/01/2041 04/01/2047	केतु 3 वर्ष 04/01/2047 04/01/2050	गुरु 6 वर्ष 04/01/2050 04/01/2056	सूर्य 2 वर्ष 04/01/2056 04/01/2058	चंद्र 1 वर्ष 04/01/2058 04/01/2059
मंगल 04/01/2043 केतु 04/01/2045 राहु 04/01/2047	शनि 04/01/2048 राहु 04/01/2049 केतु 04/01/2050	केतु 04/01/2052 गुरु 04/01/2054 सूर्य 04/01/2056	सूर्य 04/09/2056 चंद्र 05/05/2057 मंगल 04/01/2058	गुरु 06/05/2058 सूर्य 04/09/2058 चंद्र 04/01/2059
शुक्र 3 वर्ष 04/01/2059 04/01/2062	मंगल 6 वर्ष 04/01/2062 04/01/2068	बुध 2 वर्ष 04/01/2068 04/01/2070	शनि 6 वर्ष 04/01/2070 04/01/2076	राहु 6 वर्ष 04/01/2076 04/01/2082
मंगल 04/01/2060 शुक्र 04/01/2061 बुध 04/01/2062	मंगल 04/01/2064 शनि 04/01/2066 शुक्र 04/01/2068	चंद्र 04/09/2068 मंगल 05/05/2069 गुरु 04/01/2070	राहु 04/01/2072 बुध 04/01/2074 शनि 04/01/2076	मंगल 04/01/2078 केतु 04/01/2080 राहु 04/01/2082
केतु 3 वर्ष 04/01/2082 04/01/2085	गुरु 6 वर्ष 04/01/2085 04/01/2091	सूर्य 2 वर्ष 04/01/2091 04/01/2093	चंद्र 1 वर्ष 04/01/2093 04/01/2094	शुक्र 3 वर्ष 04/01/2094 04/01/2097
शनि 04/01/2083 राहु 04/01/2084 केतु 04/01/2085	केतु 04/01/2087 गुरु 04/01/2089 सूर्य 04/01/2091	सूर्य 05/09/2091 चंद्र 05/05/2092 मंगल 04/01/2093	गुरु 05/05/2093 सूर्य 04/09/2093 चंद्र 04/01/2094	मंगल 04/01/2095 शुक्र 04/01/2096 बुध 04/01/2097
मंगल 6 वर्ष 04/01/2097 05/01/2103	बुध 2 वर्ष 05/01/2103 05/01/2105	बुध 2 वर्ष 05/01/2103 05/01/2105	बुध 2 वर्ष 05/01/2103 05/01/2105	बुध 2 वर्ष 05/01/2103 05/01/2105
मंगल 04/01/2099 शनि 05/01/2101 शुक्र 05/01/2103	चंद्र 06/09/2103 मंगल 06/05/2104 गुरु 05/01/2105	चंद्र 06/09/2103 मंगल 06/05/2104 गुरु 05/01/2105	चंद्र 06/09/2103 मंगल 06/05/2104 गुरु 05/01/2105	चंद्र 06/09/2103 मंगल 06/05/2104 गुरु 05/01/2105

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा है अतः मुश्किल या कष्ट के समय जब उसकी राह अवरुद्ध हो जाता है उस समय देवी सहायता या ईश्वर अपने हाथों से आपकी सहायता करते हैं।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि ।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है। सबसे बराबर-बराबर पीली कौड़ियां लेकर उसी दिन एक जगह इकट्ठी करके जला कर उनकी राख उसी समय जल में प्रवाहित कर देना ।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है ।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना । पीपल का पेड़ काटना । पीपल का पेड़ होना आदि ।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए । बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है ।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है ।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है ।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना । दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा । मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि ।

घटनाएं :

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य, बेटा-बुआ आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाना।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप धन एकत्र करती रहेंगी। उस धन का लाभ दूसरे को मिलेगा मगर आपकी संतान करोड़पति होगी। आप नये अविष्कार से लाभ प्राप्त करेंगी। नये कार्यों में सफलता मिलेगी। आप अपना पैतृक/ससुराल का कार्य छोड़ कर नया काम करेंगी तो खूब लाभ होगा। आप विदेश में निवास करेंगी। पिता/ससुर के साथ आपका संबंध अच्छा रहेगा। पैतृक और ससुराल से संपत्ति का लाभ मिलेगा। आप घर में हैंडपंप, कुंआ आदि लगाएं तो शुभ फल होगा और आपके मन में शांति रहेगी। आप 25 वर्ष से 50 वर्ष की आयु तक खूब लाभ कमाएंगी। आप कपड़े, पानी और दूध के व्यवसाय से खूब लाभ प्राप्त करेंगी। आपको कपड़े के व्यवसाय से अधिक लाभ मिलेगा। आप काफी धन संग्रह करेंगी। आप फलों वाले पेड़-पौधे लगाएंगी। आपका भाग्य अच्छा है। आप अपने काम रात में करें तो अधिक लाभ होगा। आपके घर पर कोई मुसीबत नहीं आएगी। सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से लाभ मिलेगा, वाहन का सुख और लाभ होगा। पति से लाभ होगा या पति की नौकरी-व्यापार में तरक्की होगी।

यदि आपको चोरी की आदत होगी, दूसरे लोगों के बनते काम बिगाड़ेंगी, परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे या किसी पुरुष से बदतमीजी की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। माता/सास एवं भाई के सुख में हानि हो सकती है। समस्या न होने पर भी आप उदास रहेंगी। माता/सास का मन अशांत रहेगा एवं स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जीवन में कई कठिनाइयां आ सकती है। अगर आप दूसरों के बने बनाये काम बिगाड़ेंगी तो रक्तचाप का भय रहेगा और आपके कार्यों में रुकावटें पैदा होंगी और माता-पिता/सास-ससुर का सुख कम हो जायेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी की आदत से बचें।
2. पुरुषों के झगड़े में न पड़ें।

उपाय :

1. अंघों को भोजन दें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से मैदाने जंग में हार या हानि नहीं होगी। आप मधुरभाषिणी, परिश्रमी, सच्चरित्र, मृत्युरक्षक एवं भातृ सुख से पूर्ण रहेंगी। चंद्रमा आपके सहायक हैं। चोरी से बचाव होगा। भाई से धन-दौलत प्राप्त होगी।

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

जन्मदिन के बाद का हर तीसरा महीना श्रेष्ठ रहेगा। आप साहसी होंगी। हर प्रकार की शरारत का जवाब देने की आप में क्षमता होगी। आपके मन में शांति रहेगी। सांसारिक जीवन में भी आप योगी जैसे स्वभाव की होंगी। यदि आप साधू हो जाएं तो ऋद्धि-सिद्धि की साधना की मालकिन होंगी। गृहस्थी, धन-दौलत की भंडारी होंगी। आपके परिवार में स्त्रियों की संख्या अधिक होगी। आपके घर में पुरुषों की इज्जत होगी तो आपका भाग्योदय होगा। आपका पति से प्रेम और सेवा उत्तम फल देगी। कुदरत लंबे हाथों से आपकी मदद करेगी। गरीबों पर तरस खाएंगी। आपके पिता/ससुर को कम और माता/सास को अधिक सुख मिलेगा। माता-पिता/सास-ससुर में से एक की लंबी आयु होगी। दिमागी शक्ति अच्छी रहेगी। लड़की की शादी में उसके ससुराल वालों से पैसा लेना जहर जैसा असर देगा। आप सरकार या विद्यापीठ से सम्मानित होंगी। आपको शतरंज-तैराकी का शौक हो सकता है।

यदि आप होस्टल वार्डन हैं और विद्यार्थियों का सामान खुर्द-बुर्द किया, रिश्तेदारों का विरोध किया, भाई-बहन का हिस्सा दबाया या ब्याही बहन का धन लेकर वापिस न किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से भाई-बहन को अपमानित किया या भाई-बहन को दुःखी किया तो आपके घर में चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन-भाई/ननद से झगड़ा न करें।
2. यतीमों का सामान हड़प न करें।

उपाय :

1. लड़की/बहन के विवाह में कन्यादान करें।
2. लड़के के जन्म पर गुड़-गेहूं-तांबा दान करें।
3. लड़की के जन्म पर दूध-चावल-चांदी का दान करें।
4. दुर्गापाठ या कन्याओं की सेवा करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल छठे खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आपका जन्म बड़ी मिन्नतें मांग-मांग कर हुई होगी या आपके संतान देरी से पैदा होगी या बुढ़ापे में औलाद का सुख मिलेगा। आप मान-सम्मान प्राप्त करेंगी। सरकारी विभाग में अच्छी उच्चाधिकारी होंगी। आपके भाग्य की रक्षा होगी। आप साधू-सन्यासी के विचारों की महिला हैं। आप धर्मवीर और ईश्वर पर विश्वास रखने वाली महिला होंगी। आपको दूसरों से दोस्ती करना, पढ़ाई-लिखाई का काम करना, राग विद्या या अपने भाषण, प्रवचन से धन कमाना शुभ रहेगा। आपकी लेखन कला जानदार होगी। आपकी भाग्योन्नति होगी। आपकी औलाद पर किसी प्रकार का बुरा असर नहीं पड़ेगा। आप कुछ धन छोटे भाइयों को दें तो अच्छा रहेगा। आपके दुश्मन कम होंगे या

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

दुश्मन आप से दबे रहेंगे, ऐसी उम्मीद है। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगी। विवाह के बाद तरक्की होगी। साहूकारी भी लाभ देगा।

यदि आपने भाई से शत्रुता रखी, मंदे राग गाने को शौक रखा, पशुओं से संबंधित काम किया, परिवार में बहनों में दूसरा नंबर हुआ तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके भाई का नुकसान होने की आशंका है। आप शारीरिक दृष्टि से कमजोर होंगी। आपको अचानक हानि भी उठानी पड़ सकती है। संतान का सुख कम ही मिलेगा या बच्चा गोद लेना पड़ सकता है। आपकी मनोदशा दूषित रहेगी। आप खुद दुःख झेलेंगी परंतु दूसरे को तकलीफ नहीं देंगी। आपकी भाई से शत्रुता आपको हानि देगी। आपके भाई की माली हालात कमजोर होगी। आपको माता/सास का सुख कम मिलने की शंका है। पशुओं से संबंधित व्यापार से हानि होगी। आपको सरकारी विभाग द्वारा परेशानी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. भाई से झगड़ा न करें।
2. खुशी के समय मीठा न बांटें, यदि मीठा बांटना हो तो साथ में नमक जरूर बांटें।

उपाय :

1. 9 मन (360 किलो) गेहूं हर समय घर में रखें।
2. भैंसे को चारा खिलायें या मजदूर पेशा आदमी की सेवा करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से सुख प्राप्त होगा। सरकार द्वारा मान-सम्मान भी प्राप्त होगा। राजसुख प्राप्त होगा। आप लेखक संपादक या एक कुशल व्यवसायी भी होंगी। आप अपने जन्म स्थान के आस-पास ही नौकरी-व्यापार करेंगी। आप भाग्यवान हैं। आपके परिवार, दौलत तथा आपकी उम्र तीनों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। राजयोग के प्रभाव से आप सरकारी नौकरी में रहेंगी या सरकार से लाभ प्राप्त करेंगी। जीवन व्यस्त परंतु पूर्ण सुखी रहेगा। सुख के सभी साधन उपलब्ध होंगे। निजी भवन और वाहन की प्राप्ति के योग हैं। आप हुनरमंद और कलाकार होंगी। जीवन में बुद्धिमत्ता से काम लेना पड़ेगा। विदेश की यात्रा या आयात-निर्यात के कामों से अधिक लाभ होगा। बहन-मौसी से लाभ होगा।

यदि आपने विधुर या अविवाहित पुरुष से संबंध रखा, लड़की, बुआ, बहन-ननद के धन का उपयोग किया, माता/सास का विरोध या कष्ट दिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से सब प्रकार से आपको मां/सास का प्यार कम मिलेगा। माता/सास के लिए अरिष्ट सूचक योग है। यदा-कदा आपका मनोबल क्षीण हो जाया करेगा। परंतु आपको घबराना नहीं चाहिए। आपको किसी से गलत मंत्रणा मिल सकती है। पति सुख, धन-दौलत और गृहस्थ सुख पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. ननद-मौसी से झगड़ा न करें।
2. विधुर या अविवाहित पुरुष से संबंध न रखें।

उपाय :

1. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।
2. केसर का तिलक करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दीर्घायु, धनवान रहेंगे। आपकी और आपके पिता/ससुर की लंबी आयु होगी। आप चरित्रवान, शील स्वभाव से अच्छी, विवेकी एवं पूरे परिवार की विपत्ति को अपने सिर पर लेने वाली होंगी। धन और आयु वृद्धि होती रहेगी। अधिक कठिनाई में ईश्वर आपकी मदद करेंगे। आप आध्यात्मिक एवं गुप्त विद्या की माहिर होंगी।

यदि आपने दूसरे के धन का उपभोग किया, भलाई करने वाले का बुरा किया, दीन-दुःखियों को सताया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपको अपने पिता/ससुर से हमेशा दूर रहना पड़ सकता है। आप पिता/ससुर से अलग रहे तो आपका समय खराब होगा। आप अफवाहों की शिकार बनेंगी। आप यदि साध्वी हो जाएं तो दुःखी रहेंगी। आपके परिवार में कई प्रकार की मुसीबतें पैदा हो सकती हैं। कभी-कभी आपके हौसले मंदे पड़ जाएंगे। आपको मूत्र रोग आदि बीमारी या मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बार-बार जन्म लेना पड़ सकता है। मोक्ष मिलने की उम्मीद कम है। आपके कामों में अड़चनें आएंगी। आपके शरीर में सुस्ती रहेगी या हर समय मन बुझा-बुझा सा रहेगा। कोई दुर्घटना या बड़ी मुसीबत का योग बन सकता है। आप अपने जीवन में कुछ ऐसे कार्य कर बैठेंगी जिससे आपको बहुत पछतावा हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आवारा साधू का साथ न रखें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. शरीर पर सोना पहनें।
2. दही, आलू, घी धर्म स्थान में दें।

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपके घर में कभी चोरी नहीं होगी। आपका पति सच्चरित्र होंगे और आप स्वयं भाग्यवान रहेंगी। पति जीवन भर आपका साथ निभाएंगे। आप अपने पति से दब कर रहेंगी। आपकी संतान अधिक होंगी। आपको तीर्थ यात्राएं बहुत करनी पड़ेंगी। आप सभी की प्रिय होंगी। धन का व्यय अधिक करेंगी। कभी-कभी अधिक लाभ भी होगा। आपके पति आपके सभी कार्यों में हाथ बटाएंगे या पति के नाम से किये कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। पति, लक्ष्मी, गाय की सेवा से अच्छा फल प्राप्त होगा। आप दूसरे पुरुषों पर आशिक होंगी। शत्रु आपका नुकसान नहीं कर सकेगा। कोई भी पुरुष आप पर मोहित हो सकता है। आपको कम परिश्रम करके ही रोटी नसीब हो जाएगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी। आप सभी सुख-सुविधाओं से युक्त रहेंगी, परंतु सुख की नींद नहीं सो सकेंगी। माता-पिता/सास-ससुर का सुख लंबे समय तक मिलेगा। आप कमाऊ महिला होंगी, पति के कंधे से कंधा लगाकर मुसीबत में साथ देंगी।

यदि आपने एक से अधिक पुरुषों से संबंध रखे, बुजुर्गी घर के मुख्य दरवाजे की दहलीज को नष्ट किया, राग-रंग में रुचि रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपका कई पुरुषों से संपर्क रहेगा। आप अपने पति का क्रोध एवं साहस देख कर हैरान होती होंगी। आपके जीवन में भवन सुख दूषित है। यदि मकान बनाएं भी तो वह घर उजड़ सकता है। माता/सास के सुख में बाधा है यदि आपकी आयु के 34वें वर्ष तक मां/सास जीवित रहेंगी तो उसकी दीर्घायु होगी। आप दुःखी लोगों और मुसीबतों से घिरी रहेंगी। धन-दौलत, उम्र बढ़ने के साथ-साथ घटती जाएगी। यदि आपकी सौतेली माता हुई तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। ससुराल पक्ष से यदि कोई साझेदारी करें या वे लोग आपके काम में सहयोग करें तो हानि होगी। आपके भाई-बंधुओं के हाथों धन की हानि होगी। पैतृक संपत्ति आपके काम नहीं आएगी। आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बुजुर्गी घर की दहलीज को खराब न होने दें।
2. राग-रंग में रुचि न रखें।

उपाय :

1. पति की सेवा करें।
2. मंगल की चीजों का प्रयोग करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में आठवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आप नये अविष्कार या विषयों की खोज करेंगी। आप मनमौजी होंगी। आर्थिक हालात सामान्य रहेंगे। भागीदारी के काम से अधिक लाभ होगा। यदि आप सरकारी नौकरी करती हैं तो आपको

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

सरकारी विभाग में धीरे-धीरे तरक्की प्राप्त होगी। आप विदेश की यात्रा भी करेंगी, ऐसी पूरी संभावना है। वैसे आपको जल से, जलीय पदार्थ या समुद्री यात्रा से लाभ हो सकता है, परंतु आपकी विदेश यात्रा पूर्ण संभावित है। आपको एक जगह बैठ कर करने वाले स्थायी काम करना ही अच्छा है।

यदि आपने अपनी रिहाईश, गली की नुक्कड़ पर या आगे बंद गली के घर में रखी, मकान में दरारें हुई, घर से बिच्छू निकलते रहे, आप अपने नाम पर मकान बना लें तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपको पिता/ससुर का सुख कम ही प्राप्त होगा। किसी भी दुर्घटना की आशंका है। आपके भाई आपसे शत्रुता कर सकते हैं। आपकी टांगों पर बुरा असर पड़ सकता है। भोजन में शराब-मांस, अंडे का सेवन आपको नीच बना देगा इसका सेवन नहीं करें। आपका बुढ़ापा गरीबी से गुजरे और बुढ़ापे में आंखों की दृष्टि कमजोर हो, ऐसी आशंका है। आपका अभिमान के कारण नुकसान हो सकता है। कोई जवाबदेही पूर्ण कार्य से अथवा नीच कार्य से, बहुत बड़ा नुकसान और पछतावे का कारण बन सकता है। आपको सरकार से भय रहेगा। अपने नाम पर घर बना लेंगी तो असमय मौत को बुला सकती हैं। नौकरों द्वारा हानि का भय, संतान सुख में कमी हो सकती है। शराब-मांस, मछली का सेवन आपको हानि दे सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपने नाम से मकान न बनायें।
2. सांप न मारें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 किलो उड़द जल प्रवाह करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपका बचपन खुशहाली से बीतेगा। आपको उच्च शैक्षणिक संस्थान में विद्याध्ययन का मौका मिलेगा। आपको पिता/ससुर का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप बिना माता-पिता/सास-ससुर के सहयोग के भी आगे बढ़ती रहेंगी। आप ताकतवर और न्यायप्रिय होंगी। आप अपनी कमाई पर ही जीवन बसर करेंगी। माता-पिता/सास-ससुर से मधुर संबंध में कटुता की संभावना है। विदेशी यात्रा या कार्यो द्वारा धन भी प्राप्त होगा। दूसरों पर भरोसा रखने से विश्वासघात होगा ऐसी शंका है।

यदि आपने बंदूक-पिस्तौल रखी, नीलम या नीला नग पहना, बिजली का खराब सामान या बिजली की तारें पड़ी रहीं, दराज या केश बॉक्स खाली रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके पिता/ससुर को कष्ट होने की आशंका है। आपकी साढ़े दस-21-42 वर्ष आयु में पिता/ससुर की मृत्यु होगी।

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

पिता/ससुर की मृत्यु गोली, जहर, ब्रेन हैमरेज से संभाव्य है। पिता/ससुर की मौत के बाद बहुत क्षति होगी। आप ऐय्याश लोगों की संगति में रहेंगी, ऐसी आशंका है। अनुचित ढंग से धन कमाएंगी। आपकी परेशानी मासिक धर्म संबंधी रोगों से बढ़ सकती है। आपकी संतान कमजोर और अपाहिज हो सकती है। आपकी जवानी गरीबी में कटेगी। पिता और ससुर से नहीं पटेगी। आपके जन्म के पश्चात् आपके पिता/ससुर की आर्थिक दशा तंग होने की संभावना है। आपके काम में दक्ष और धूर्त लोग आपके साथ होंगे। फिजूल के झगड़े-फसाद होने की आशंका है। धन की हानि भी होती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नीलम या नीला नग न पहनें।
2. घर में बंदूक/पिस्तौल न रखें।
3. बिजली का सामान ठीक रखें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर ढांप कर रखें।
2. 4 किलो सिक्के का चौरस टुकड़ा 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीते हैं तो चांदी की पाइप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पांचवे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको आकस्मिक रूप से धन प्राप्त होगी। आपको विलक्षण अतिद्रिय शक्ति प्राप्त होगी। आप गुरु भक्त रहेंगी। 24 वर्ष की उम्र के बाद आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। जीवन में 34 वर्ष आयु में पुत्र द्वारा, उसके पश्चात पौत्र द्वारा सुख प्राप्त होगा। 48 वर्ष की उम्र तक माता/सास का सुख मिलेगा। पति के साथ अच्छा संबंध रहेगा। आपके धर्म-ईमान के अनुसार ही आपकी संतान होगी। आप अपना चाल-चलन ठीक रख कर सुखी रह सकती हैं। आपकी आर्थिक हालत ठीक रहेगी। इच्छित संख्या के अनुसार संतान होगी। पुत्र संतान उत्पत्ति के पश्चात् आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। यदि आप धर्माचरण करती रहें तो जीवन के अशुभ फल दूर हो जाएंगे।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया, किसी के पुत्र को या अपने पुत्र को कष्ट दिया कुत्ते को मारा या मरवाया या कुत्ता आपके वाहन से टकराकर मर गया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 45 वर्ष की आयु का समय बेकार रहेगा। पुत्र से कोई खास सुख प्राप्त नहीं होगा। संतान को कष्ट रहेगा। आपको श्वास संबंधी या दमे के रोग की आशंका है। 48 वर्ष की आयु तक समय भी ठीक नहीं रहेगा। सुख में कमी और बाधा उत्पन्न हो सकती है। आयु बढ़ने के साथ बुरे लोगों की संगति में आप रहेंगी। गुप्त रोग, संतान को दमा रोग रहने की संभावना रहेगी। आपका पुत्र

Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

आपकी माता/सास के लिए अशुभ रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दुश्चरित्र लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक ताला लगाकर बंद न रखें। उन्हें कभी-कभी खोलते रहें।

उपाय :

1. गुरु-पिता/ससुर की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

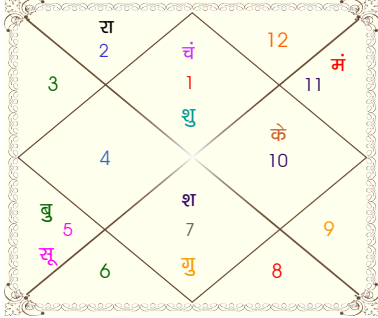
Cg road,Ahmedabad,Gujrat

9327559725

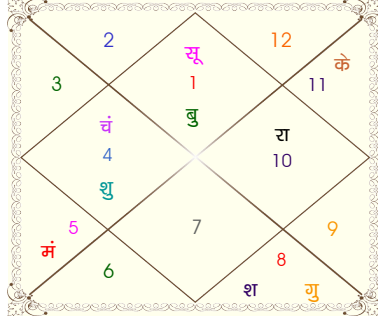
monaliesoni55@gmail.com

लाल किताब - वर्ष कुंडली

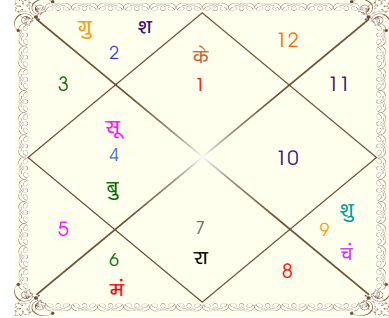
2026



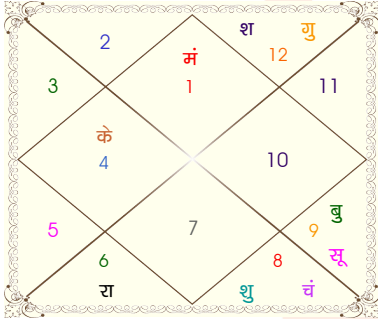
2027



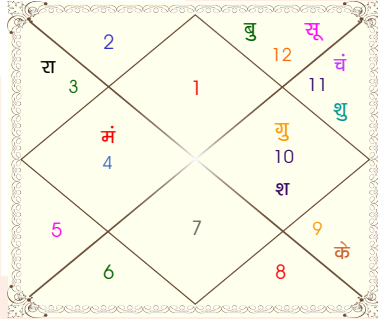
2028



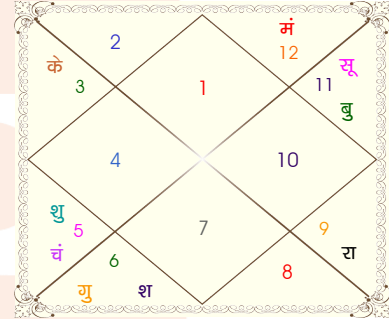
2029



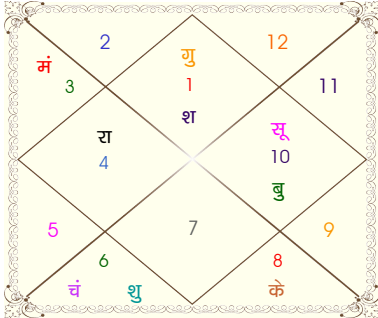
2030



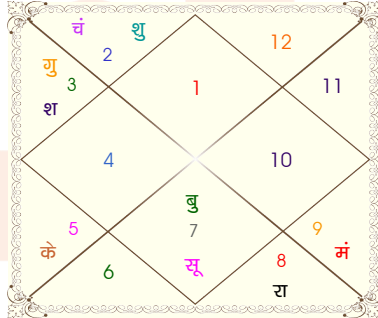
2031



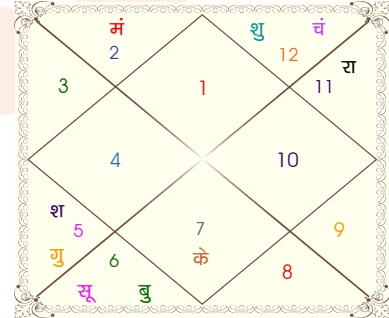
2032



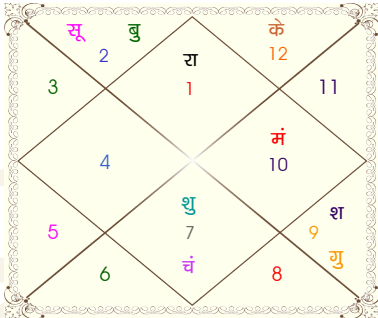
2033



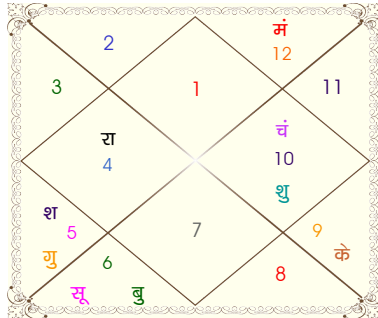
2034



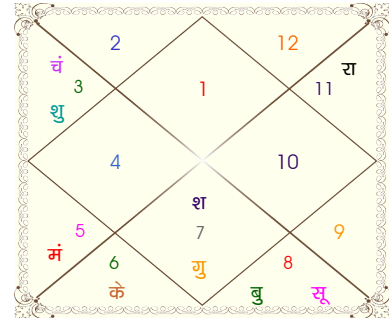
2035



2036



2037



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

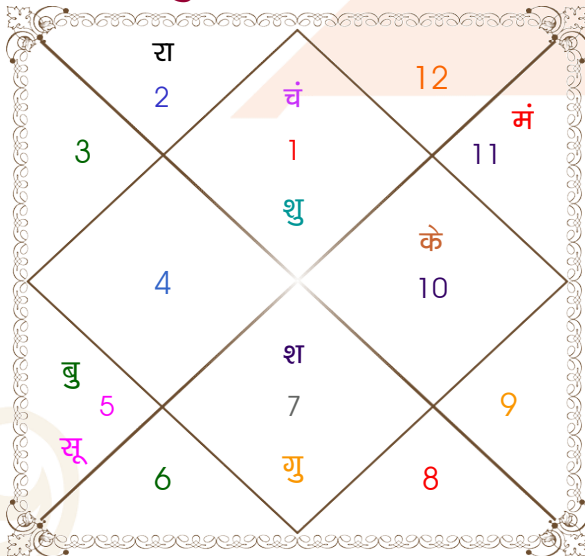
वर्तमान आयु - 27
वर्तमान दशा - शुक

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

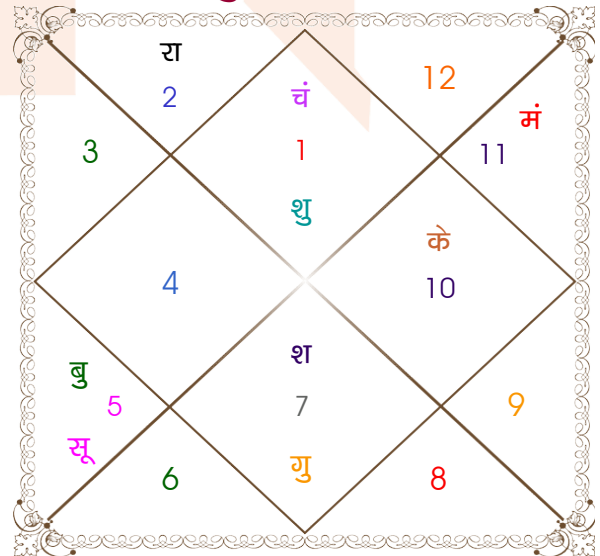
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार का भाग्य चमकेगा, यदि राजा आपका भला न करे तो फकीर से आपका भला होगा, सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध बनेंगे, परिवार की उन्नति होगी। गुप्त विद्या या ज्योतिष में रुचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं या सरकारी विभाग से लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. ईष्यालु वृत्ति न रखें।
2. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न करें/न करावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने की शौकीन रहेंगी, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता/ससुर की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता/सास के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता/सास या इनके समान स्त्री से झगड़ा न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएं, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र/दोहता-दोहती का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा और सुख के साधन मिलेंगे, ज्योतिष विद्या और धर्म-अध्यात्म के प्रति रुचि, आप जो बात मुंह से कहेंगे वह सच हो सकती है अर्थात् आपके मुंह से निकला वाक्य ठीक वाक्य माना जा सकता है। अचानक धन लाभ होगा और बहुत अच्छे दिन देखने को मिलेंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गऊ मुख घर में रिहाईश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकती हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो सुसराल से कुछ न कुछ सामान लेते रहें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, सुंदर बनना, संवराना आपकी आदत बन जायेगी, आशिकाना मिजाज भी हो सकती है। अपनी आयु के लोगों में आप प्रधान बन सकती हैं। धार्मिक होते हुए भी आप में इश्क की हवस रहेगी। उत्तम भवन व वाहन का सुख प्राप्त हो सकता है। लोगों से मार्ग दर्शन लेंगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन खराब न करें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. धर्म-कर्म में रुचि रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और पति/ससुर से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पति के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गी मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनों तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष ननिहाल या ससुराल से लाभ मिलेगा। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे चलने वाला होगा जो कि अच्छा या बुरा दोनों ही तरह का हो सकता है। चोरी न हो सावधान रहें या आप पर चोरी का इल्जाम लगने का भय रहेगा, धन कोष में वृद्धि होगी। दान और मुफ्त माल से परहेज करेंगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. तम्बोला-जुआ आदि न खेलें।
2. धर्म स्थान में रिहाईश न करें या धर्म स्थान में न जायें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मिट्टी के कामों से सोना बनेगा, शहर/गोव/देश/विश्व प्रसिद्ध हो सकती हैं। समाज में आपकी ख्याति बढ़ेगी, धन का अभाव नहीं रहेगा। आपका स्वभाव कुछ शक्की बन सकता है। संतान सुख का योग भी इस वर्ष है मगर माता/सासु से झगड़ा हो सकती है माता/सास की सेहत खराब या उनसे जुदाई हो सकती है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध न रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शुद्ध सोना पीले कपड़े में बांध कर रखें/धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road,Ahmedabad,Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

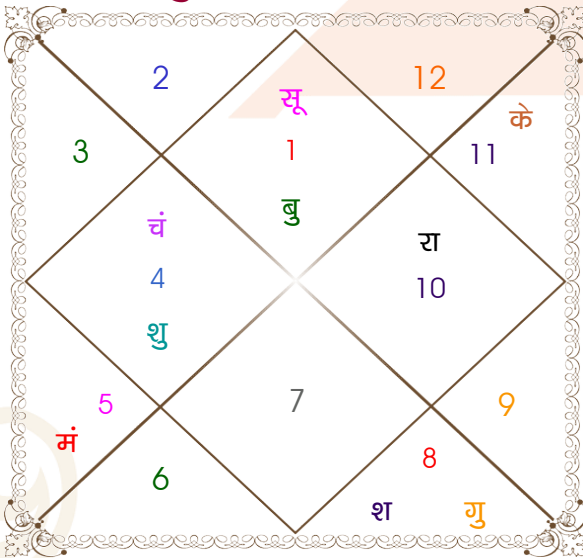
वर्तमान आयु - 28
वर्तमान दशा - शुक

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

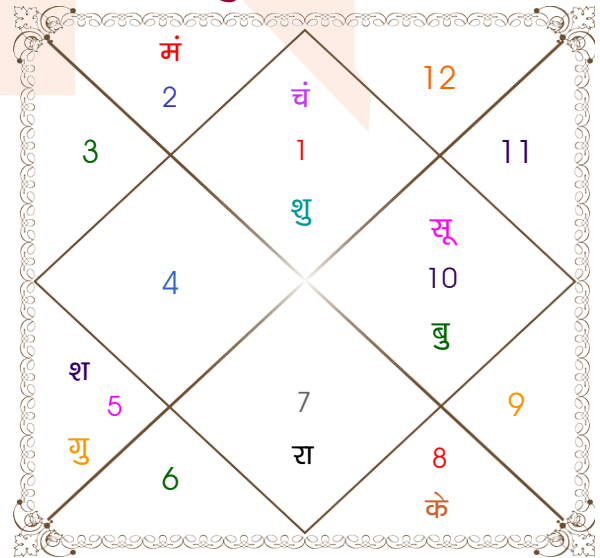
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road, Ahmedabad, Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका तेज व प्रताप बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, परोपकार की भावना रहेगी, आप दृढ़ निश्चयी, नशे आदि से दूर रहेंगी। अधिक मेहनत करके आप अपना भाग्य चमकाएंगी। सरकारी विभाग में रुके काम बनेंगे। सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे और उनसे लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बीयर-शराब न पियें, मांस का भोजन न करें।
2. सूर्योदय से सूर्यास्त तक पति से शारीरिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप राजसी ठाट-बाट भोगेंगे, विद्या संबंधी कामों से लाभ, समुद्री सफर या समुद्र से संबंधित कामों से लाभ होगा। कार्य करने से पहले किसी व्यक्ति की सलाह लेकर कार्य शुरू करना शुभ रहेगा। कोई अमानत आपके पास रख कर जाएगा वह उसे वापिस लेने नहीं आयेगा। अचानक धन-लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/सास या इनके समान स्त्री से झगड़ा न करें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 5 में शुभ है। जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गृहस्थ/संतान का सुख मिलेगा, परिवार में उन्नति होगी, यात्रा बहुत होगी। इस जन्म दिन के बाद धन दिनों-दिन बढ़ता जाएगा, पिता/ससुर की हैसियत भी बढ़ेगी, चाल-चलन आपको उम्दा रखना होगा, शत्रु को भी मित्र बनाने में प्रयत्नशील रहेंगे और शत्रु आपका सहायक बन जाएगा साहूकारा के कामों से लाभ होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।
2. शराब-बीयर न पिये, मांस-मछली का भोजन न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगी। मधुर भाषा बोलेंगी, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता/ससुर का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आपके कामों में कोई रुकावट नहीं आएगी। यदि आप साध्वी भी बन जायेगी तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी, घंटी, ठाकुर न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आप में कामवासना की अधिकता रहेगी। दूसरा कोई पुरुष आप पर मोहित हो सकता है। मामा-मौसी से लाभ मिलेगा, उत्तम भवन-वाहन का सुख मिलेगा, उत्तम भोजन-शयन का शौक रहेगा। आप अपने परिवार या गांव/शहर आदि में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी, यात्रा अधिक होगी और यात्रा से लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज ठीक रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके नाम पर मकान नहीं बना तो आपकी आयु लंबी होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका हर काम सरहानीय होगा। सरकारी विभाग में नौकरी करती हैं तो तरक्की मिलेगी। व्यापार द्वारा आपको लाभ होगा। आपके सिर के बाल सफेद होने शुरू हो जायें या हो चुके हों तो आपकी तरक्की की निशानी है। आपका चरित्र भी ऊंचा होना शुरू हो जायेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगी। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपको पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योंकि आगे काम नहीं बनेगा।
2. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)



Shree Ram Krushna I Healing by Monalie soni

Cg road,Ahmedabad,Gujrat

9327559725

monaliesoni55@gmail.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।